Title: Demand to provide security to the political leader of Bihar and enquire about an article published in a newspaper written by the Government official.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : अध्यक्ष महोदय, मैंने कल भी नोटिस दिया था और आज भी दिया है। मेरे नोटिस की सूचना पहले नम्बर पर है। यह सबसे महत्वपूर्ण मामला है। इसलिये मेरा आपसे आग्रह है कि इतने महत्वपूर्ण मामले पर आपको सबसे पहले आदेश देना चाहिए।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका सबमिशन क्या है?

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : बिहार में परसों वित्त मंत्री श्री शंकर प्रसाद टेकरीवाल, श्री इलियास हुसैन, पूर्व पथ निर्माण मंत्री और श्री दिनेश चौधरी, एम.एल.ए. आदि कई लोग श्री रंजन प्रसाद यादव के नेतृत्व में वहां एक मीटिंग कर रहे थे। दो-तिहाई विधायक श्री रंजन प्रसाद यादव को वहां का मुख्य मंत्री बनाना चाहते हैं। श्री लालू यादव का साला श्री सुभाा यादव गोली और बारूद लेकर श्री इलियास हुसैन के घर में घुस गया और श्री शंकर प्रसाद टेकरीवाल और श्री इलियास हुसैन को जान से मारने की साजिश की गई। बिहार में जो लोग सत्ता परिवर्तन देखना चाहते हैं और श्री रंजन प्रसाद यादव को मुख्य मंत्री बनाना चाहते हैं, उनकी जान को खतरा है।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions) **

12.15 hrs.

(इस समय श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सदस्य सभा पटल के निकट फर्श पर खड़े हो गए।)

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने बता दिया, अब आप बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

** Not Recorded*

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये।

12.16 hrs.

(इस समय श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव तथा कुछ अन्य माननीय सदस्य

अपने-अपने स्थानों पर वापस चले गए।)

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने पप्पू यादव जी को मौका दिया और उन्होंने बोल दिया। अब आप बैठ जाइये। ऐसा करना ठीक नहीं है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मि. नागमणि, आप बैठ जाइये।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, गृह मंत्री जी यहां बैठे हैं, बिहार में आज कोई सुरक्षित नहीं है। हम वहां सत्ता परिवर्तन चाहते हैं।

MR. SPEAKER: The Minister is replying. You please sit down.

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष जी, यहां दो मुद्दे उठाये गये हैं। विपक्ष के कुछ प्रमुख बन्धुओं ने किसी समाचार-पत्र में एक सरकारी अधिकारी द्वारा लिखे गये लेख पर आपत्ति उठाई है। मैं भारत सरकार की ओर से यह स्पट कर देना चाहता हूं कि सरकार सभी धर्मों का समान आदर करती है और हिन्दुस्तान में जितने भी धर्म हैं, उनमें कोई ऊंचा है या बड़ा है, इस प्रकार का सरकार का कोई मत नहीं है। इसलिए किसी भी सरकारी अधिकारी को इस प्रकार का मत व्यक्त करने का अधिकार नहीं है। व्यक्तिगत रूप में हम अपना धर्म बहुत अच्छा मान सकते हैं, उसमें कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि हम इसीलिए उस धर्म में होते हैं। लेकिन किसी दूसरे का धर्म छोटा है, इस प्रकार की भावना किसी व्यक्ति के मन में होना ठीक नहीं है। खासकर अगर सरकारी अधिकारी हो तो नियमों के अन्तर्गत, उसके मन में इस प्रकार की भावना होना बिल्कुल ठीक नहीं है। इसलिए कल जब यह विाय उठाया गया था तभी इस विाय में मैं एच.आर.डी. मिनिस्टर को पत्र लिख चुका हूं और जैसे ही उनका कोई जवाब आता है तो मैं सदन के सामने प्रस्तुत करूंगा या आपके पास भिजवा दूंगा, लेकिन आप

निश्चित रूप से निश्चिन्त रहिये कि किसी भी सरकारी अधिकारी को, चाहे वह अपने मन में कुछ भी माने, इसकी अनुमति नहीं दी जी सकती।

किसी भी सरकारी अधिकारी और सरकारी पत्रिका में किसी धर्म का प्रचार करने की या बढ़ा-चढ़ा कर कहने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

दूसरा जो पप्पू यादव जी ने विाय उठाया, उसके बारे मेंâ€¦ (व्यवधान)

श्री बलबीर सिंह (जालन्धर) : आप उनके खिलाफ क्या एक्शन ले रहे हैं ? What action has been taken?...(*Interruptions*) There is a documentary proof. What else do you want? Sir, there is a documentary proof. He has written this in his official capacity in an official journalâ€¦ (*Interruptions*) आप कह रहे हैं कि मैंने पत्र लिखा है, इसमें पत्र से क्या होता है। इसमें पत्र का क्या मतलब है ?

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह ठीक नहीं है, आप बैठ जाइये। पप्पू यादव जी, यह हाउस है, आप क्या कर रहे हैं? आपको मालूम होना चाहिए कि हाउस में कैसे बिहेव करना चाहिए।

श्री जे.एस. बराड़ (फरीदकोट) : यह क्या बात हुई। वे जानना चाहते हैं कि जो पत्र आपने लिखा है, उसके कण्टेंट क्या हैं?

श्री प्रमोद महाजन : जो आपने कल यहां सदन में सारी बात कही, उसकी पूरी जानकारी, पूरा ब्यौरा मैंने उसमें दिया है।â€¦ (व्यवधान)

श्री बलबीर सिंह : वह तो सबूत है और आप क्या चाहते हैं ?

श्री प्रमोद महाजन : उसका जो भी जवाब आयेगाâ€¦ (व्यवधान) मैं खुद देख चुका हूं।

MR. SPEAKER: You have raised the matter and the Minister has given a reply. What more do you want?

...(*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : पप्पू यादव जी ने जो मुद्दा उठाया, गृह मंत्री जी यहां बैठे हैंâ€¦ (व्यवधान)

12.20 hrs.

(इस समय श्री नागमणि, डा. रघुवंश प्रसाद सिंह और श्री रामदास आठवले सभा पटल के निकट फर्श पर

खड़े हो गए।)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions)**

** Not Recorded*

MR. SPEAKER: Today is the last day of the Session. Please go to your seats.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Nagmani, please go back to your seat.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है। आप अपनी सीट पर जाएं।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Dr. Raghuvansh Prasad Singh, please go back to your seat. यह ठीक नहीं है, यह राज्य का विाय है, यह विधान सभा नहीं है, संसद है। अब आप अपनी सीट पर जाएं।

12.21 hrs.

(इस समय श्री नागमणि, डा. रघुवंश प्रसाद सिंह और श्री रामदास आठवले अपने-अपने स्थानों पर वापस चले गए।)

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shrimati Sangeeta Kumari Singh Deo, I have received your notice for Privilege motion and am calling for facts. It is under my consideration. You need not raise it here because that is not the procedure about the Privilege Notice. Please take your seat now.